PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 ▸ Issue : 17 ▸ Mumbai ▸ Friday, 29 May to 04 June 2026 ▸ Weekly ▸ Pages : 8 ▸ Price : 3 Rs.

संक्षिप्त खबरें

अफ्रीका में इबोला फैलने के बीच मुंबई, दिल्ली एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी

मुंबईः अफ्रीकी देशों में इबोला फैलने की खबर के बाद अधिकारियों ने मुंबई और दिल्ली एयरपोर्ट पर हेल्थ सर्विलांस बढ़ा दिया है। इंटरनेशनल

यात्रियों के जरिए भारत में वायरस के किसी भी संभावित फैलाव को रोकने के लिए एहतियाती कदम तेज कर दिए गए हैं। एयरलाइनों को यात्रा के दौरान संदिग्ध मामलों के लिए अलर्ट रहने और अगर यात्रियों में इबोला से जुड़े लक्षण दिखते हैं तो इमरजेंसी हेल्थ प्रोटोकॉल का पालन करने का निर्देश दिया गया है। बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हेल्थ अधिकारियों को भी यात्रियों की स्क्रीनिंग और मॉनिटरिंग के तरीकों को मजबूत करने का निर्देश दिया गया है। प्रभावित अफ्रीकी देशों से आने वाले या वहाँ से गुजरने वाले यात्रियों पर रोकथाम के उपायों के तहत कड़ी नजर रखी जा रही है।

शिक्षा से खुद को सशक्त बनाएं और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें : राष्ट्रपति मुर्मु

गंगटोकः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि शिक्षा महिलाओं के सशक्तीकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सिक्किम विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में कहा कि मेडल पाने वाले छात्रों में बड़ी संख्या छात्राओं की होना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। गंगटोक में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शैक्षणिक उपलब्धियों में छात्राओं की सफलता यह दिखाती है कि शिक्षा न केवल जीवन बदलती है, बल्कि समाज को भी मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि मेडल प्राप्त करने वाले 70 प्रतिशत छात्र छात्राएं हैं। शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का इससे बेहतर उदाहरण नहीं हो सकता। उल्लेखनीय है कि

इससे पहले खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति का भारत-चीन सीमा स्थित नाथू ला दौरा रद्द कर दिया गया। वहां उनका सेना के जवानों से बातचीत का कार्यक्रम निर्धारित था। राष्ट्रपति ने छात्राओं की मेहनत, प्रतिभा और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के लिए कई 'मंत्र' भी दिए। उन्होंने कहा कि युवा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें, दूसरों से सीखें, सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ें, अपने लक्ष्य तय करें और विकसित भारत के निर्माण में आत्मनिर्भर योगदानकर्ता बनें। राष्ट्रपति मुर्मू ने शुरू की गई महिलाओं के लिए विशेष बस सेवा 'पिंक सिटी रनर-आमा दिदी बहिनी बस सेवा' का भी उल्लेख किया। (शेष पेज-5 पर देखें)

पूर्ण साक्षर राज्य बनने पर दी बधाई

■ राष्ट्रपति ने सिक्किम के पूर्ण साक्षर राज्य घोषित होने पर राज्य सरकार और वहां के लोगों को बधाई दी। उन्होंने इसे सभी देशवासियों, विशेष रूप से सिक्किम के लोगों के लिए गर्व का विषय बताया।

महिलाओं के लिए पिंक बस सेवा को दिखाई हरी झंडी

■ इससे पहले राष्ट्रपति ने गंगटोक में 'आमा दिदी बहिनी बस सेवा' के तहत महिलाओं के लिए पिंक बसों और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए संसाधन पुनर्प्राप्ति वाहन को हरी झंडी दिखाई।

थलपति विजय ने सीएम बनने के बाद पीएम मोदी से की पहली मुलाकात

नई दिल्लीः तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री, जोसेफ विजय अपनी कुर्सी संभालने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने दिल्ली पहुंचे। इस मुलाकात में उन्होंने प्रधानमंत्री से तमिलनाडु की उन मांगों को लेकर बात की जो केंद्र सरकार के सामने काफी लंबे समय से पेंडिंग हैं। विजय, तमिलनाडु के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर दिल्ली पहुंचे। विजय ने पीएम मोदी से तमिलनाडु से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बात की। इसमें सबसे खास था, तमिलनाडु में सरकारी इवेंट्स में वंदे मातरम के बजाय राज्य गीत 'तमिल थाई' सबसे पहले गाने की अनुमति मांगना। विजय ने कहा कि DRDO (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) में एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (AMCA) और सेंटर फॉर एयरबोर्न सिस्टम्स (CABS) पर स्टडी चल रही है। उन्होंने पीएम से उअइर को तमिलनाडु में स्थापित करने का अनुरोध किया। (शेष पेज-5 पर देखें)

मुख्यमंत्री विजय ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी किया मुलाकात

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर राज्य के विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री विजय ने वित्त मंत्रालय कार्यालय पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की और तमिलनाडु के बुनियादी ढांचे, शिक्षा, परिवहन और उद्योग से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए केंद्र से सहयोग मांगा। बैठक के दौरान सीएम विजय ने कहा कि तमिलनाडु तेजी से विकसित होने वाला राज्य बन रहा है और इस विकास की रफ्तार को बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार का सहयोग बेहद जरूरी है। (शेष पेज-5 पर देखें)

विद्यालयों में पठन संस्कृति मजबूत करने में जुटी योगी सरकार

लखनऊः योगी सरकार अब परिषदीय और माध्यमिक विद्यालयों में पठन संस्कृति को मजबूत कर बच्चों में पढ़ने की आदत, भाषा दक्षता और रचनात्मक सोच विकसित करने पर विशेष जोर दे रही है। शैक्षिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ के अवसर पर 'पठन संस्कृति' और 'समाचार-पत्र पठन' से संबंधित पूर्व में जारी निदेशों के प्रभावी अनुपालन को लेकर फिर से व्यापक स्तर पर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि विद्यालयों में पढ़ने का सकारात्मक वातावरण विकसित किया जा सके। अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से पहले ही विद्यालयों में पठन संस्कृति, समाचार-पत्र पठन और रीडिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक निर्देश जारी किए जा चुके हैं। अब उन्हीं निदेशों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए समस्त प्राचार्य डायट, एडी बेसिक, बीएसए, बीईओ आदि को विशेष रूप से निर्देशित किया गया है कि विद्यालयों में पठन गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु व्यक्तिगत एवं समर्पित प्रयास सुनिश्चित किए जाएं। योगी सरकार का फोकस अब परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई को केवल पाठ्यक्रम आधारित न रखते हुए विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित कर भाषा दक्षता, संवाद क्षमता, तार्किक सोच और रचनात्मक अभिव्यक्ति को मजबूत करने पर भी है। इनमें विद्यालयों में नियमित रीडिंग ऑवर, समाचार-पत्र उपलब्ध कराना, सुबह की सभा में समाचार वाचन और बच्चों को पुस्तक पठन के लिए प्रेरित करना शामिल है।

शिक्षा मंत्री ने सभी राज्यों के CM को लिखी चिट्ठी, निष्पक्ष परीक्षा करवाने के दिए निर्देश

नई दिल्लीः देशभर में होने वाली नीट यूजी पुनः परीक्षा 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, मुख्य सचिवों और प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र लिखकर परीक्षा के उद्देश्यों और निष्पक्ष संचालन के लिए सहयोग मांगा है। धर्मेंद्र प्रधान ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अपील की है कि वे परीक्षा के सफल आयोजन के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी प्रशासनिक इकाइयां मिलकर इस महत्वपूर्ण परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराएंगी। मंत्री ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि छात्रों का कल्याण और सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और सुचारू बनाने के लिए सभी राज्यों का सहयोग बेहद जरूरी है।

परीक्षा केंद्रों पर बुनियादी सुविधाओं पर जोर : भीषण गर्मी और हीटवेव को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्री ने परीक्षा केंद्रों पर सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। इनमें सुरक्षित पेयजल, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, पंखे और कूलर की उपलब्धता, स्वच्छ शौचालय, छायादार प्रतीक्षा क्षेत्र, निर्बाध बिजली आपूर्ति

और अभ्यर्थियों के लिए परिवहन सुविधा शामिल है, ताकि परीक्षा के दौरान छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

परिवहन व्यवस्था पर विशेष जोर : धर्मेंद्र प्रधान ने यह भी कहा है कि परीक्षा के दिन छात्रों के लिए उचित परिवहन सुविधा सुनिश्चित की जाए, ताकि वे समय पर और सुरक्षित तरीके से परीक्षा केंद्र तक पहुंच सकें। सरकार का मानना है कि गर्मी के मौसम में यात्रा और परीक्षा दोनों को सुरक्षित बनाना बेहद जरूरी है, जिससे छात्रों पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

21 जून को होगी नीट यूजी पुनर्परीक्षा

■ गौरतलब है कि 3 मई को आयोजित नीट यूजी परीक्षा को अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) ने रद्द कर दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने पुनर्परीक्षा कराने का फैसला लिया। शिक्षा मंत्री पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि नीट यूजी पुनर्परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने बताया कि पुनर्परीक्षा के प्रवेश पत्र 14 तक उपलब्ध करा दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि भविष्य में ऐसी गड़बड़ियों को रोकने के लिए अगले वर्ष से मेडिकल प्रवेश परीक्षा को कंप्यूटर आधारित (CBT) मोड में आयोजित किया जाएगा। आमतौर पर छात्रों को ओएमआर शीट पर हस्ताक्षर करने और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने में काफी समय लग जाता था, जिससे उनका मुख्य परीक्षा का समय प्रभावित होता था। अब नए नियमों के तहत छात्रों को बड़ी राहत देते हुए परीक्षा के समय में 15 मिनट की अतिरिक्त बढ़ोतरी की गई है। अब उम्मीदवारों को परीक्षा के लिए कुल 3 घंटे 15 मिनट का समय मिलेगा। 21 जून को नीट यूजी परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित की जाएगी।

संपादकीय

सवालों के घेरे में शिक्षा और परीक्षा

पिछले दिनों मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट-यूजी का पेपर लीक होने की सूचना मिलते ही सरकार ने उसे रद्द करके दोबारा कराने का फैसला किया। इससे 22 लाख से अधिक उन छात्रों का घोर निराश होना स्वाभाविक है, जो यह परीक्षा दे चुके थे। उन्हें उसी परीक्षा की दोबारा तैयारी करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसे वे दे चुके थे। छात्र प्रतियोगी परीक्षा देने के बाद तनाव मुक्त होकर परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। इस बार उनकी प्रतीक्षा लंबी तो हो ही गई, उन्हें दोबारा परीक्षा की तैयारी भी करनी पड़ी। किसी भी छात्र के लिए उसी परीक्षा को उसी उत्साह से देना कठिन होता है, जिसे वे दे चुके होते हैं। नीट पेपर लीक मामले से परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए को इसलिए कठोर निंदा का सामना करना पड़ा, क्योंकि उसकी सजगता में कमी के कारण ही नीट के पेपर लीक हुए। इसके बाद भी यह अच्छा हुआ कि पूरी परीक्षा रद्द करने का बड़ा फैसला लिया गया, ताकि छात्रों के हितों से खिलवाड़ न होने पाए। यदि इस पेपर लीक मामले का भंडाफोड़ नहीं होता या फिर उसकी अनदेखी की जाती तो लाखों छात्रों के साथ अन्याय हो गया होता। इस मामले में पेपर तैयार करने वाले शिक्षकों के साथ कुछ कोचिंग केंद्र वाले भी कठघरे में हैं। नीट पेपर लीक की जांच कर रही सीबीआई ने यह पाया कि इस परीक्षा के पेपर कुछ कोचिंग चलाने वालों तक पहुंच गए और फिर उन्होंने देश के कई हिस्सों में उन्हें पहुंचाया और पैसे कमाए। ऐसा लगता है कि कोचिंग माफिया शिक्षा और परीक्षा, दोनों पर हावी हो गया है। ध्यान रहे इसके पहले भी कोचिंग माफिया कई प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक करा चुका है। नई शिक्षा नीति में कोचिंग संस्कृति पर लगाम लगाने के कई उपाय किए गए हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि इसमें समय लगेगा, क्योंकि इस नीति पर पूरी तरह अमल होना शेष है। अभी भी कई शिक्षण संस्थान नई शिक्षा नीति को लागू करने में पीछे चल रहे हैं। कुछ राज्य सरकारों ने भी इस नीति को लेकर ढुलमुल रवैया अपना रखा है। बेहतर होगा कि इंटरमीडिएट स्कूल, जिनके छात्र मेडिकल और इंजीनियरिंग की परीक्षा देते हैं, वे नई शिक्षा नीति की मूल भावना को समझते हुए अपने शिक्षा ढांचे में व्यापक बदलाव लाएं, जिससे आने वाले वर्षों में जो डाक्टर और इंजीनियर तैयार हों, उनकी गुणवत्ता अच्छी हो। गुणवत्ता का ध्यान मेडिकल और इंजीनियरिंग कालेजों को भी रखना होगा। तभी भारत अपने समक्ष उपस्थित चुनौतियों का सामना कर सकेगा।

तपती धरती, झुलसता जीवन

जनता के समक्ष हीटवेव की चुनौती

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया। यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार, अंधाधुंध शहरीकरण, जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है। प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया। आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं। हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई, वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर ह्लकंक्रीट के जंगलह्व बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट, डामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे ह्लअर्बन हीट आइलैंडह्व प्रभाव तेजी से बढ़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे-धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती। दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्ठी बन जाते हैं। गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेंट गैसें अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है-गर्मी बढ़ती है, एसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है। वर्ष 2026 की यह झुलसाती गर्मी हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने अभी भी प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित नहीं किया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और विकराल होगी। पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, जैव विविधता नष्ट होगी, खाद्य संकट गहराएगा और मानव जीवन अधिक कठिन हो जाएगा। यह समय प्रकृति से संघर्ष का नहीं, उसके साथ सामंजस्य का है। हमें विकास की ऐसी दिशा चुननी होगी जिसमें पर्यावरण, मानव जीवन और भविष्य सुरक्षित रह सके। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब सूरज की तपिश केवल असुविधा नहीं, अस्तित्व का संकट बन जाएगी।

आखिर विश्व, भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना क्यों चाहता है?

विश्व आज भारत की विकास यात्रा का हिस्सा इसलिए बनना चाहता है, क्योंकि भारत केवल 'बड़ा बाजार' नहीं रहा, बल्कि वह अब यह देश वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, तकनीक, सुरक्षा और मानव संसाधन का एक निर्णायक केंद्र बनता जा रहा है। खास बात यह है कि अब वह कई मामलों में अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस-जर्मनी-यूके जैसे यूरोपीय देशों से होड़ भी लेने लगा है। पहला, दुनिया को भारत में सबसे बड़ा बाजार दिख रहा हैः भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। यहां तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल उपभोक्ता और विशाल युवा शक्ति वैश्विक कंपनियों को आकर्षित कर रही है। इसी कारण तकनीक, ई-कॉमर्स, ऑटोमोबाइल, रक्षा, सेमीकंडक्टर और ऊर्जा क्षेत्रों में भारी विदेशी निवेश आ रहा है।

दूसरा, चीन के विकल्प के रूप में भारतः अमेरिका-चीन तनाव और सप्लाई चेन संकट के बाद दुनिया ह्लचाइना प्लस वनह्व रणनीति अपना रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब उत्पादन और निवेश का बड़ा हिस्सा भारत में स्थानांतरित करना चाहती हैं, क्योंकि वो भारत को एक स्थिर लोकतांत्रिक, कानूनी और विशाल श्रम-

आधारित अर्थव्यवस्था माना जा रहा है।

तीसरा, भारत की डिजिटल क्रांति ने दुनिया को प्रभावित कियाः यूपीआई, आधार, डिजिटल गवर्नेंस, स्टार्टअप इकोसिस्टम और एआई आधारित सेवाओं ने भारत को ह्लडिजिटल पावरह्व बना दिया है। चूंकि दुनिया अब भारतीय डिजिटल मॉडल को कम लागत और बड़े पैमाने पर लागू होने वाली व्यवस्था के रूप में देख रही है। इसलिए भारत की ओर उनका झुकाव स्वाभाविक है।

चौथा, भारत वैश्विक स्थिरता का नया स्तंभ बन रहा हैः आज दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। ऐसे समय में भारत, अमेरिका से भी संबंध रखता है, रूस से भी, यूरोप, जापान, खाड़ी देशों और अफ्रीका से भी। यही संतुलित कूटनीति भारत को ह्लविश्वसनीय शक्तिह्व बनाती है। इसलिए अधिकांश देश भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाना चाहते हैं। पांचवां, भारत का युवा मानव संसाधन दुनिया की जरूरत हैः यूरोप, जापान और कई विकसित देशों में वृद्ध आबादी बढ़ रही है। इसके विपरीत भारत के पास विशाल युवा कार्यबल है। आईटी, स्वास्थ्य, इंजीनियरिंग, एआई और सेवा क्षेत्र में भारतीय प्रतिभा वैश्विक अर्थव्यवस्था को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। छठा, रक्षा और सामरिक शक्ति का बढ़ता प्रभावः भारत तेजी से रक्षा उत्पादन और तकनीकी आत्मनिर्भरता बढ़ा रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल, रक्षा कॉरिडोर, अंतरिक्ष कार्यक्रम और समुद्री शक्ति ने भारत को सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बना दिया है। सात, भारत 'ग्लोबल साउथ' की आवाज बन गया हैः अफ्रीका, एशिया और विकासशील देशों को लगता है कि भारत पश्चिम और चीन- दोनों से अलग एक संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। जी-20, ब्रिक्स और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। आठवां, निवेशकों को भारत में दीर्घकालिक अवसर दिखते हैंः विश्व की बड़ी कंपनियां समझती हैं कि अगले 20-25 वर्षों तक भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था रहेगा, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऊर्जा, एआई, हरित तकनीक और विनिर्माण में विशाल अवसर मौजूद हैं।

देश व समाज हित में डीजल व पेट्रोल की बचत के साथ-साथ स्थाई सादगी समय की मांग!

वैसे तो देशभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद से ही यह मुहिम धरातल पर धीरे-धीरे रंग लाती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद से ही भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर के आम कार्यकताओं तक ने सर्वप्रथम बड़े पैमाने पर इस मुहिम में शामिल होकर के इसको एक आंदोलन का रूप देने का कार्य किया। जिसके बाद से ही देश भर में ज्यूडिशियरी, शीर्ष नौकरशाह, कर्मचारी व आम जनमानस तक भी मोदी की इस मुहिम में अब बड़े पैमाने पर शामिल होते हुए नजर आ रहे हैं। शासन-प्रशासन के शीर्ष स्तर पर काबिज बैठे हुए ताकतवर लोगों में देश भर में वाहनों के लंबे-चौड़े काफिले का त्याग करने की फिलहाल तो एक होड़ लगी हुई है। हालांकि उन लोगों का यह कदम वास्तव में दिल से खर्चों में कटौती करते हुए जीवन में सादगी अपनाने की धरातल पर एक स्थाई पहल है या सिर्फ मीडिया व सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपनी कुछ पोस्ट डालकर के वाहवाही लूटने की एक नौटंकी मात्र है, यह तो आने वाला समय ही बता पायेगा। लेकिन अच्छी बात यह है कि कम से कम युद्ध के माहौल के चलते जब पूरी दुनिया ऊर्जा व आर्थिक संकट के मुहाने पर खड़ी है, उस वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस अपील पर भारत में धरातल पर अमल शुरू होना देश व समाज हित के लिए एक बहुत अच्छा संकेत है। लेकिन विचारणीय तथ्य यह भी है कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह मुहिम कुछ समय की ना होकर के देश व समाज हित में धरातल पर दीर्घकालीन स्थाई रूप ले पायेगी, हालांकि यह तो आने वाला समय ही बता पायेगा।

प्यूपिल्स टाइम्स

महाराष्ट्र सरकार ने 89,731 करोड़ के 5 मेगा प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

20 हजार को रोजगार मिलने का अनुमान

मुंबई : महाराष्ट्र में औद्योगिक विकास को एक नई रफ्तार देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने करीब 89 हजार 731 करोड़ रुपए के पांच अति-विशाल प्रोजेक्ट्स को विशेष प्रोत्साहन देने की मंजूरी दे दी है। उद्योग विभाग की कैबिनेट उपसमिति की बैठक में लिए गए इस बड़े फैसले से राज्य में न केवल भारी-भरकम निवेश आकर्षित होगा, बल्कि आर्थिक और औद्योगिक परिदृश्य में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री फडणवीस के अनुसार, इन मेगा प्रोजेक्ट्स के जरिए राज्य में लगभग 20 हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। इससे विदर्भ, मराठवाड़ा और नासिक सहित महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में औद्योगिक विकास को जबरदस्त गति मिलेगी। मंत्रालय में हुई इस उच्च स्तरीय बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजीत पवार और उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस बैठक में कोल गैसीफिकेशन, सोलर सेल मॉड्यूल, वेफर्स पैनल, इलेक्ट्रक स्टील और सिंथेटिक ग्रेफाइट एनोड मटेरियल और पेट टायर कॉर्ड जैसी उच्च तकनीक वाले भविष्य के पांच उद्योगों को हरी झंडी दी गई। ये प्रोजेक्ट्स राज्य में तकनीकी नवाचार, अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) को बढ़ावा देंगे। इससे स्थानीय स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और छोटे व मध्यम उद्योगों के लिए नए रास्ते खुलेंगे। साथ ही, स्थानीय युवाओं के कौशल विकास और प्रशिक्षण में भी बड़ी मदद मिलेगी। इन परियोजनाओं से न केवल निवेश और रोजगार बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर सहायक उद्योग और आपूर्ति श्रृंखला भी विकसित होगी। साथ ही लघु और मध्यम उद्यमों को नए अवसर मिलेंगे तथा युवाओं के लिए कौशल विकास की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

मुंबई को झोपड़पट्टी मुक्त बनाने का महा मिशन

महायुति सरकार का 35 लाख घरों का लक्ष्य

मुंबईः विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए महायुति सरकार ने मुंबई को पूरी तरह झोपड़पट्टी मुक्त बनाने और राज्य को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने का एक ह्यमहा मिशनह्ल शुरू किया है।

मुंबई के साथ-साथ सुदूर और दुर्गम इलाकों का संतुलित विकास इस योजना का मुख्य स्तंभ है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक कार्यक्रम में स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य केवल बड़े शहरों का विकास करना नहीं, बल्कि ह्यकोस्ट टू फॉरेस्टह्ल यानी मुंबई से लेकर गढ़चिरौली के सुरजागड तक विकास की एक नई और अटूट श्रृंखला तैयार करना है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सरकार ह्यहिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे नागरी लोक कल्याण अभियानह्ल के तहत एक विशेष और आक्रामक मुहिम चला रही है। शहर में नए अतिक्रमणों को पूरी तरह रोकने के लिए अत्याधुनिक ह्यनेत्रमह्ल तकनीक, सैटेलाइट डेटा और जीआईएस मैपिंग की मदद ली जा रही है। धारावी पुनर्विकास परियोजना को दुनिया के सबसे बड़े और आधुनिक पुनर्विकास मॉडल के रूप में लागू किया जा रहा है, जिसमें पात्र और अपात्र दोनों श्रेणी के नागरिकों के लिए स्वतंत्र आवास योजनाएं शामिल हैं। मुंबई और एमएमआर क्षेत्र में घरों की बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार ने 17 वर्षों के बाद एक दूरगामी आवास नीति लागू की है। माय होम, माय राइट (मेरा घर-मेरा अधिकार) की संकल्पना के साथ साल 2030 तक आर्थिक रूप से कमजोर और अल्प आय वर्ग के लिए 35 लाख किफायती घर बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके पारदर्शी संचालन के लिए एआई (एआई) आधारित केंद्रीय डिजिटल हाउसिंग पोर्टल विकसित किया जा रहा है।

एमएमआर में 4 लाख करोड़ के गेम चेंजर प्रोजेक्ट्स

■ मुंबई को देश का 'ग्रोथ इंजन' और वैश्विक फिनटेक कैपिटल बनाने के लिए नीति आयोग के रोड मैप के अनुसार काम चल रहा है, जिससे यहां की जीडीपी को दोगुना किया जा सके। वर्तमान में मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में लगभग 4 लाख करोड़ रुपए की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं गति पकड़ चुकी है।

बारवी बांध के जलस्तर में गिरावट

पिछले साल की तुलना में भंडारण थोड़ा कम है

गौरव सिंह/नवी मुंबई संवाददाता

बदलापुरः ठाणे जिले की जीवन रेखा माने जाने वाले बारवी बांध में जल स्तर में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इस वर्ष थोड़ी गिरावट आई है। 25 मई को दर्ज आंकड़ों के अनुसार, बांध में वर्तमान में जल स्तर 60.79 मीटर है और भंडारण 109.51 मिलियन क्यूबिक मीटर है, जो इसकी कुल क्षमता का 32.31% है। पिछले साल इसी दिन, बांध में जल स्तर 60.88 मीटर था और भंडारण 110.70 मिलियन क्यूबिक मीटर या 32.67% क्षमता था। हालांकि अंतर मामूली प्रतीत होता है, अधिकारियों और विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रवृत्ति बदलती मौसम स्थितियों के कारण आने वाले महीनों में संभावित जल तनाव पर चिंता पैदा करती है। जलस्तर में गिरावट का एक बड़ा कारण पिछले साल की तुलना में मौसम के मिजाज में अंतर है। 2025 में, प्री-मानसून बारिश 13 मई की शुरूआत में ही आ गई थी, जिससे बांध में ताजा पानी का प्रवाह हुआ और जल स्तर बनाए रखने में मदद मिली। बादल भरे मौसम और बारिश ने भी जलाशय से वाष्पीकरण के नुकसान को काफी कम कर दिया है। हालांकि, इस साल मई के अंत तक भी प्री-मानसून बारिश का कोई संकेत नहीं मिला है। लगातार गर्मी और तेज धूप के कारण जलाशय से वाष्पीकरण बढ़ गया है, जिससे जल स्तर तेजी से गिर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन और अल नीनो का बढ़ता प्रभाव भी इस स्थिति में योगदान दे रहा है। मौसम विश्लेषकों के अनुसार, इस वर्ष सक्रिय अल नीनो की स्थिति मानसून के आगमन और तीव्रता दोनों को प्रभावित कर सकती है। पिछले साल के विपरीत, जब मई के मध्य में बारिश से शुरूआती राहत मिली थी, पूरे क्षेत्र में शुष्क और गर्म स्थिति बनी हुई है। मानसून की बारिश में देरी, बढ़ते तापमान और कम बारिश के दिनों की आशंकाओं के साथ, अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मौजूदा जल भंडार को अपेक्षा से अधिक समय तक चलने की आवश्यकता हो सकती है। हालाँकि बांध में अभी भी 32% से अधिक पानी का भंडारण है, अधिकारियों का कहना है कि प्रशासन और नागरिकों दोनों को आने वाले महीनों में पानी की कमी से बचने के लिए सावधानी से पानी का उपयोग शुरू करना चाहिए।

बीएमसी स्कूलों के भूखंडों का निजी संस्थाओं को आवंटन रोके

विधायक सरदेसाई बोले सार्वजनिक शिक्षा को खतरा

मुंबई : विधायक वरुण सतीश सरदेसाई ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त को पत्र लिखकर कहा कि बीएमसी के स्कूलों के भूखंडों का निजी शैक्षणिक संस्थाओं को पीपीपी मॉडल के तहत आवंटन बेहद चिंताजनक है। उनके अनुसार, आम मुंबईकर के लिए निजी शिक्षा दिन-प्रतिदिन महंगी होती जा रही है, जबकि यह मॉडल सिर्फ निजी संस्थाओं के फायदे के लिए है। विधायक ने चिंता जताई कि अत्यधिक मूल्यवान सार्वजनिक संपत्ति के उपयोग के बावजूद बीएमसी को बहुत कम राजस्व मिलता है। साथ ही, मुंबई में पहले से ही कई मराठी माध्यम की स्कूलें बंद हो रही हैं, और पिछले अनुभव बताते हैं कि निजी हस्तक्षेप से स्कूल कमजोर हुए हैं या बंद हो गए हैं। सरदेसाई ने कहा कि आज की आवश्यकता बीएमसी के स्कूलों को निजी हाथों में देना नहीं, बल्कि उन्हें अधिक सक्षम और आधुनिक बनाना है। नगर निगम को बुनियादी ढांचे, शिक्षा की गुणवत्ता और डिजिटल सुविधाएं बढ़ाने तथा मराठी माध्यमों को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। विधायक ने मांग की है कि भूखंडों का निजी संस्थाओं को प्रस्तावित आवंटन तत्काल रोका जाए। साथ ही, पूरी नीति की समीक्षा के लिए एक स्वतंत्र समिति बनाई जाए और इस संबंध में सभी आर्थिक एवं नीतिगत जानकारी सार्वजनिक की जाए।

मानसून से पहले बीएमसी अलर्ट

मीठी नदी और नालों की सफाई 3 जून तक पूरी करने के निर्देश

मुंबईः आगामी मानसून को देखते हुए मुंबई में जलभराव और बाढ़ की संभावित स्थिति से निपटने के लिए बीएमसी ने तैयारियां तेज कर दी है। स्थायी समिति अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे ने मिठी नदी, प्रमुख नालों और रेलवे कल्वों की सफाई का काम युद्ध स्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि नालों की जल वहन क्षमता बढ़ाने, प्रवाह में बाधा बनने वाली संरचनाओं को हटाने और सभी सफाई कार्य 3 जून 2026 से पहले पूर्ण करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सोमवार को प्रभाकर शिंदे के नेतृत्व में स्थायी समिति के सदस्यों ने पूर्वी उपनगरों में चल रहे गाद निकासी और सफाई कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान कुर्ला (पूर्व) स्थित मध्य एवं हार्बर रेलवे कल्वर्ट, बांद्रा- कुर्ला कॉम्प्लेक्स के पास मिठी नदी, तिलक नगर-चेंबूर रेलवे स्टेशन कल्वर्ट, सुभाष नगर नाला, डेमोग्राफिक नाला, टेलिकॉम नाला और मानखुर्द नाला सहित कई संवेदनशील स्थलों का दौरा किया गया, अधिकारियों को मौके पर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्रभाकर शिंदे ने कहा कि मिठी नदी में जमा गाद को बड़े पैमाने पर हटाना बाढ़ की स्थिति को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है। इसके लिए अतिरिक्त मशीनरी और मानव बल तैनात कर कार्यों में तेजी लाई जानी चाहिए, नालों में जमा तैस्ता कचरा हटाने, उनकी गहराई बढ़ाने और प्राकृतिक प्रवाह को बाधारहित बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि नाली की जल निकासी क्षमता को प्रभावित करने वाली उपयोगिता लाइनों और अन्य अवरोचों को तत्काल हटाया जाए। निचले इलाकों में पानी के प्रवेश को रोकने के लिए सुरक्षात्मक सीमा दीवारें बनाई जाएं तथा रेलवे क्षेत्र के सभी कल्वर्ट और जल निकासी मार्गों की व्यापक सफाई सुनिश्चित की जाए। शिंदे ने कहा कि मुंबई को बाढ़ मुक्त रखने के लिए बीएमसी को रेलवे, एमएमआरडीए, एसआरए, म्हाडा और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि समयबद्ध तरीके से सफाई कार्य पूरे होने पर इस वर्ष मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा।

प्यूपिल्स टाइम्स

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की घोषणा

मुंबई के चर्नी रोड में बनेगा ओपन साइंस पार्क

मुंबई : मुंबई के चर्नी रोड स्थित महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन के कैंपस में 'ओपन साइंस पार्क' बनाया जाएगा। यह घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की। मुख्यमंत्री ने बाल भवन की नवनिर्मित इमारत का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे, कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, महापौर रितु तावड़े सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर, सर जे जे आर्ट कॉलेज और महाराष्ट्र स्टेट जवाहर बाल भवन के बीच एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महापौर रितु तावड़े को मनपा स्कूलों के ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को इस सेंटर से जोड़ने की पहल करनी चाहिए। इससे छात्रों के सर्वांगीण विकास में मदद मिलेगी।

हर साल 1 लाख छात्रों को ट्रेनिंग

■ स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने बताया कि यह इंस्टीट्यूशन 4 से 16 साल के बच्चों की इमैजिनेशन और क्रिएटिविटी को स्कोप देने के लिए लगातार काम कर रहा है। नई बिल्डिंग के तल मंजिल पर एक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट ऑडिटोरियम और एक वेल-इक्विप्ड लाइब्रेरी बनाई गई है। पहली मंजिल पर डांस हॉल, ड्रामा रूम और संगीत रूम है। दूसरी मंजिल पर छात्रों के प्रदर्शन के लिए एक प्लेटफॉर्म, स्कल्पचर और पेंटिंग हॉल बनाए गए हैं। बिल्डिंग में 100 छात्रों की क्षमता वाले तीन ऑडिटोरियम हैं। एक समय में 500 छात्र अलग-अलग आर्ट की ट्रेनिंग ले सकते हैं। एक साल में लगभग 1 लाख छात्रों ट्रेनिंग और मार्गदर्शन ले पाएंगे। स्कूली शिक्षा विभाग राज्य के हर जिले में एक बाल भवन शुरू करना चाहता है।

मुंबई में हर पेड़ का बनेगा डिजिटल रिकॉर्ड

बीएमसी शुरू करेगी ग्रीन डैशबोर्ड

मुंबईः अल-नीनो के प्रभाव और बढ़ती गर्मी से जूझ रही मुंबई को जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक सक्षम बनाने के लिए बीएमसी ने एक महत्वाकांक्षी शहरी वानिकी परियोजना शुरू की है। इस परियोजना के तहत शहर के प्रत्येक पेड़ का वैज्ञानिक और डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा तथा एक ऑनलाइन 'ग्रीन डैशबोर्ड' विकसित किया जाएगा, जहां नागरिक भी पेड़ों से जुड़ी जानकारी देख सकेंगे। इस योजना की शुरूआत वृक्ष गणना (ट्री सेंसस) से हुई है, जो इसी महीने शुरू की गई है। बीएमसी के अनुसार यह केवल पेड़ों की संख्या गिनने तक सीमित नहीं होगी, बल्कि प्रत्येक पेड़ से संबंधित 29 से 32 वैज्ञानिक मानकों का विस्तृत डेटा एकत्र किया जाएगा।

वृक्षों पर लगाया जाएगा क्यू आर कोड

इसमें प्रजाति, ऊंचाई, तने की परिधि, छत्र का फैलाव, फूल आने का मौसम, स्वास्थ्य स्थिति, अनुमानित आयु, कार्बन अवशोषण क्षमता, सटीक भौगोलिक स्थान और जियो-टैग्ड तस्वीरें शामिल होंगी। गौरतलब है कि मुंबई में पिछली वृक्ष गणना वर्ष 2011 में

हुई थी। नियमों के अनुसार यह प्रक्रिया हर पांच वर्ष में होनी चाहिए थी, लेकिन 2016 में प्रस्तावित अगली गणना विभिन्न कारणों से टल गई। अब लगभग 15 वर्ष बाद यह कार्य फिर से शुरू हुआ है। 2011 की गणना के अनुसार मुंबई में लगभग 29.75 लाख पेड़ थे। हालांकि तेजी से हो रहे विकास कार्यों के कारण शहर में हरित आवरण को बड़ा नुकसान हुआ है। बीएमसी के आंकड़ों के अनुसार 2017 से 2023 के बीच मुंबई मेट्रो, बुलेट ट्रेन, कोस्टल रोड, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड और अन्य सड़क एवं पुल परियोजनाओं के लिए 21,098 पेड़ काटे गए।

मुंबई में म्हाडा लॉटरी को जबरदस्त प्रतिसाद

2,640 फ्लैट्स के लिए 82 हजार से ज्यादा आवेदन

मुंबईः मुंबई में अपने घर का सपना देखने वालों के बीच म्हाडा हाउसिंग लॉटरी को लेकर जबरदस्त उत्साह दिखाई दे रहा है। 2,640 फ्लैट्स के लिए आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तारीख में अभी पांच दिन बाकी हैं, लेकिन 82 हजार से अधिक आवेदन भरे जा चुके हैं। इनमें से 57 हजार से ज्यादा खरीदारों ने ईएमडी जमा कर अपनी दावेदारी भी पक्की कर दी है। हर एक फ्लैट के लिए औसतन 31 दावेदार मैदान में उतर चुके हैं। विक्रोली, गोरेगांव, बोरीवली और चेंबूर की परियोजनाओं को खरीदारों से सबसे ज्यादा प्रतिसाद मिल रहा है। वहीं, आवेदन की डेडलाइन 28 मई तक बढ़ाए जाने के बाद अब यह प्रतिस्पर्धा और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। म्हाडा अधिकारियों के अनुसार आवेदन की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह साफ है कि मुंबई में किफायती घरों की मांग लगातार बढ़ रही है। घर खरीदारों को अधिक अवसर देने के उद्देश्य से म्हाडा ने आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 28 मई रात 11:59 बजे तक कर दी है। यह कम्प्यूटरीकृत लॉटरी प्रक्रिया 30 मार्च से शुरू हुई थी। अधिकारियों को उम्मीद है कि डेडलाइन बढ़ने के बाद आवेदन संख्या में और तेजी आएगी। इस लॉटरी में विभिन्न आय वर्गों के लिए कुल 2,640 फ्लैट उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें सबसे अधिक 1,221 फ्लैट विक्रोली (पूर्व) स्थित कन्नमवार नगर परियोजना में हैं।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला

एसटी बसों के ड्राइवर अब बचाएंगे रोजाना हजारों लीटर डीजल

मुंबईः इस समय देश में गहराए ईंधन संकट को लेकर विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। ईंधन संकट की वजह से महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (MSRTC) को भी बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में बैठक आयोजित की गई। मौजूदा ईंधन संकट को देखते हुए परिवहन मंत्री ने एसटी के चालकों के विशेष अपील करते हुए डीजल बचाने के लिए 'फ्यूल सेविंग्स' यानी फ्यूल जेनरेशन के एक बड़े कॉन्सेप्ट को लागू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए एसटी डिपो कंट्रोलर के साथ ड्राइवरों को प्रोत्साहित किया जाएगा। परिवहन मंत्री और रळ कॉर्पोरेशन के चेयरमैन प्रताप सरनाईक ने कहा कि रळ कॉर्पोरेशन को अभी हर दिन एवरेज 10.87 लाख लीटर डीजल की जरूरत होती है। आज फ्यूल की लागत कम करना समय की जरूरत है। डीजल के दाम लगातार बढ़ने से एसटी निगम का घाटा भी बढ़ रहा है।

हर डिपो बचाए 5 लीटर डीजल

परिवहन मंत्री ने कहा कि अगर हर ST डिपो प्रत्येक दिन कम से कम पांच लीटर डीजल बचाने का टारगेट भी तय करे, तो भी पूरा राज्य रोजाना कम से कम 1,000 लीटर डीजल बचा सकता है। मौजूदा डीजल रेट पर, यह बचत हर दिन लगभग 1 लाख रुपये तक हो सकती है। प्रताप सरनाईक ने इस मौके पर यह भी कहा कि छोटी बचत से बड़ा फाइनेंशियल डिसिप्लिन बनता है, और यह बचत भविष्य में रळ के लिए एक बड़ी ताकत बन सकती है।

डीजल सेविंग टारगेट

बताया गया कि निगम के सभी विभागीय कंट्रोलर्स और डिपो मैनेजर्स के लिए डिपो-वाइज डीजल सेविंग टारगेट तुरंत तय किए जाएंगे। हर डिपो रेगुलरली अपनी बसों के फ्यूल कंजम्प्शन को एनालाइज करेगा और बचत के लिए जरूरी उपाय लागू करेगा। साथ ही, मंत्री सरनाईक ने कहा कि डीजल बचाने में शानदार काम करने वाले रळ बस ड्राइवरों को खास तौर पर सम्मानित किया जाएगा और उन्हें इंसेंटिव अलाउंस देने के लिए एक स्कीम शुरू की जाएगी।

Result Guarantee Above 90% or Money Back
If U R Not Joining Home Tuitions Then U R Missing Many Things
Mumbai's No.1 Premium Home Tuitions Academy
MUMBAI HOME & PRIVATE TUITIONS
1st to 10th ICSE / CBSE / IB / IGCSE / NIOS / State Boards
XI & XII Sci / Comm. IIT, NEET, MHT-CET
Engg, Degree, Diploma, B.Com, Bsc., BMS, MBA, Gmat, Cat, CET, English Speaking
Rajendra Deshmukh MANAGING DIRECTOR
Any Class Home Tuitions Across Mumbai
Get Admission in MBBS
NEET Qualified / Unqualified Fees 25 Lacs (Inc. Food Acc.)
ADMISSIONS OPEN
Branches : Andheri - Worli - Jogeshwari - Malad - Dadar - Borivali - Virar Thane - Vashi - Nerul - Kharghar - Ambernath - Badlapur
Home Tuitions Benefits
1. We get personal attention but in class its not there. 4. Its Time saving but in classes time wasted. 2. We get Result guaranty but classes no result guaranty. 5. Here efficiency 10 times more than classes in classes low efficiency. 3. Syllabus Completion in our hand in classes we cannot complete in our time. 6. Class Time as per students convenience, in classes as per their time
Contact : 902 902 9222 / 80 80 80 34 12 / 8446642380 / 9209128153
https://www.mumbaihometutors.com

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS • SHOPS • BUNGALOWS
LANDS • REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
24 HOURS EMERGENCY
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care - Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Availaible
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane
Woolen Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

■ डॉ. आशीष मिश्रा
श्रीराम पॉलिक्लिनिक व आयुर्वेदिक दवाखाना

गर्मी में गुड़ का शरबत क्यों है फायदेमंद

इस तेज गर्मी में जैसे-जैसे टेम्परेचर बढ़ रहा है, बहुत से लोग ठंडा और हाइड्रेटेड रहने के लिए पारंपरिक घर पर बने ड्रिंक्स पी रहे हैं। ऐसा ही एक रिफ्रेशिंग ड्रिंक है गुड़ का शरबत। यह गुड़, पानी और नींबू, काला नमक और जीरा पाउडर जैसी चीजों से बना एक रिफ्रेशिंग ड्रिंक है। इसका स्वाद बहुत मीठा और मिट्टी जैसा होता है, और यह ड्रिंक कई भारतीय घरों में गर्मी के मौसम में पी जाती है और अब यह गर्मियों में एक नेचुरल कूलर के तौर पर वापस आ रही है। गुड़ का शरबत एक पारंपरिक भारतीय ड्रिंक है जो गुड़, जिसे आमतौर पर गुड के नाम से जाना जाता है, को ठंडे पानी और स्वादिष्ट मसालों के साथ मिलाकर बनाया

जाता है। कुछ लोग गर्मियों में स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें नींबू का रस, पुदीने के पत्ते या भुना हुआ जीरा पाउडर भी मिलाते हैं। यह ड्रिंक अपनी ठंडक और रिफ्रेशिंग प्रॉपर्टीज की वजह से उत्तर भारत के कई हिस्सों में खास तौर पर पॉपुलर है। डॉक्टर का कहना है कि गुड़ गर्मी के मौसम में तुरंत एनर्जी देने में मदद कर सकता है क्योंकि इसमें नेचुरल शुगर होती है। गुड़ का शरबत भी आमतौर पर बहुत ज्यादा गर्मी में शरीर को तरोताजा और हाइड्रेटेड महसूस कराने के लिए पिया जाता है। बहुत से लोग गर्मियों में गुड़ से बनी ड्रिंक्स पसंद करते हैं क्योंकि वे पैकेज्ड ड्रिंक्स की तुलना में हल्के और ज्यादा नेचुरल लगते हैं। गुड़ का शरबत एनर्जी लेवल बनाए रखने में मदद करता है; गर्मी की गर्मी में लोग थका हुआ और डिहाइड्रेटेड महसूस करते हैं। क्योंकि गुड़ में नेचुरल शुगर होती है, इसलिए यह ड्रिंक तुरंत एनर्जी देती है। नेचुरल चीजों से बनी पारंपरिक ड्रिंक्स अक्सर गर्मी के मौसम में पी जाती हैं ताकि शरीर को एनर्जी मिले। गुड़ का शरबत ज्यादातर पानी के साथ बनाया जाता है, जो गर्मी के दिनों में हाइड्रेशन में मदद करता है और स्वाद और ताजगी बढ़ाने के लिए नींबू और काला नमक जैसी चीजें भी अक्सर मिलाई जाती हैं।

'यह परिशिष्ट किसी एक मत या संप्रदाय का प्रचार नहीं, बल्कि मानवता, नैतिकता, आध्यात्मिकता और सहअस्तित्व के सार्वभौमिक मूल्यों का मंच है।'

'आध्यात्मिक संवाद'

गणेश पुराण का रोचक रहस्य

मूषक ही नहीं, हर युग में बदला बप्पा का वाहन

सभी देवताओं में प्रथम पूजनीय गणेश जी का वाहन चूहा (मूषक) है, ये हम सभी जानते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि, गणेश पुराण में बताया गया है कि, हर युग में गणेश जी का वाहन बदलता रहता है। हिंदू पौराणिक कथाओं में समय को चार अलग-अलग युगों में बांटा गया है। ऐसे में भगवान गणेश के वाहन न केवल उनके वाहन हैं, बल्कि हर युग से जुड़ी उनकी अपनी विशेषता भी है। भगवान गणेश भी हमें सभी आत्म-बुराइयों पर विजय प्राप्त करके अनुशासित होना सिखाते हैं, ठीक उसी प्रकार जैसे वे मूषक पर विजय प्राप्त करते हैं। और निश्चित रूप से मूषक भी उनके अधीन रहकर प्रसन्न होता है।

सतयुग में कौन-सा वाहन : सतयुग जिसे कृत युग के नाम से भी जाना जाता है, एक ऐसा युग जब चारों ओर पवित्रता, आध्यात्मिक ज्ञान और सद्भाव का वातावरण था। सत्य युग में धर्म सर्वोच्च स्थान पर बताया जाता है। सत्य युग के दौरान भगवान गणेश का वाहन सिंह (शेर) को माना जाता है। शेर जंगल का राजा है, जो सर्वोच्च शक्ति, निडरता और धर्म का प्रतिनिधित्व करता है।

त्रेता युग में कौन-सा वाहन : त्रेता युग जहां से अधर्म की शुरूआत हुई, क्योंकि धर्म का स्तंभ अब चार पैरों की बजाय केवल तीन पैरों पर ही खड़ा था। यह वह युग था, जब राम और परशुराम जैसे राजा संतुलन बहाल करने के लिए अवतरित हुए थे। इस युग में शासन के साथ मार्गदर्शन, ज्ञान और बुद्धिमत्ता की काफी जरूरत हो गई। त्रेता युग में भगवान गणेश जी का वाहन मयूर (मोर) है, जिस वजह से उन्हें मयूरेश्वर भी कहा गया है। उनकी भुजाएं 6 होने के साथ रंग सफेद बताया जाता है।

द्वापर युग में गणेश जी का वाहन : द्वापर युग जब धर्म में काफी गिरावट देखने को मिली, जिसके बाद धार्मिकता सिर्फ दो पैरों पर खड़ी है। यह युग संघर्ष, युद्ध और भौतिकतावादी गतिविधियों के लिए जाना जाता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण महाभारत का युद्ध जब मनुष्य का जीवन रणनीतिक सोच, कूटनीति और युद्ध कौशल पर केंद्रित हो गया। द्वापर युग में भगवान गणेश का वाहन चूहा है। चूहा एक छोटा, तेज और बेचैन जानवर है, जो अनयंत्रित मन और इच्छाओं को प्रतीक माना जाता है।

कलियुग में कौन-सा वाहन : वर्तमान युग, जिसे कलियुग के नाम से भी जाना जाता है, जहां धर्म में तीनों ही युगों से ज्यादा गिरावट है, जिस वजह से धार्मिकता चार के बजाय केवल एक पैर पर खड़ी है। इस युग में भौतिकतावाद, अज्ञानता और स्वार्थी इच्छाओं का ही राज है। लोग धर्म से ज्यादा लालच, अहंकार और सांसारिक संपत्ति के पीछे भाग रहे हैं। कलियुग में भगवान गणेश का वाहन अश्व (घोड़ा) को बताया जाता है। घोड़ा गति, प्राण शक्ति और अथक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है।

कलाई पर किस रंग का कलावा बांधना चाहिए?

लाल रंग का कलावा : ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हाथ में लाल कलावा पहनने से बुरी नजर से बचाव के साथ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव भी बढ़ता है। लाल कलावा साहस, शक्ति प्रदान करने के साथ मंगल दोष से भी बचाता है। अक्सर लोग इन्हें हनुमान जी एवं मां दुर्गा की कृपा प्राप्त करने के लिए भी पहनते हैं। अगर आपको अपने हाथ में लाल कलावा धारण करना हैं, तो इसे मंगलवार, नवरात्रि या हनुमान जयंती के दिन पहनें।

काला रंग का कलावा : कलाई में काले रंग का कलावा, काला जादू और बुरी नजर से बचाव करता है। अक्सर काला धाग बच्चों और बुजुर्गों के टखनों पर बांधा जाता है, ताकि उन्हें किसी की नजर न लगे। काला धागा बांधने के लिए शनिवार का दिन बेहद शुभ माना जाता है। जो भी लोग शनि दोष से गुजर रहे हैं, उन्हें अपने हाथों में काला धागा जरूर पहनना चाहिए।

पीले रंग का कलावा : जिन भी लोगों का बृहस्पति ग्रह कमजोर हैं, उन्हें पीले रंग का धागा जरूर पहनना चाहिए। इसे धारण करने से ज्ञान, बुद्धि और वाणी से

जुड़ी समस्या धीरे-धीरे सही होने लगती है। कलाई में पीले रंग का धागा बांधने के लिए गुरुवार का दिन सबसे उपयुक्त माना जाता है।

हरे रंग का कलावा : हरे रंग का कलावा बुध ग्रह से जुड़ा होता है, जिन भी लोगों को अपना बुध मजबूत करना है, उन्हें हरे रंग का धागा जरूर पहनना चाहिए। इसे धारण करने से संचार, बुद्धि और स्वास्थ्य से जुड़े क्षेत्र में लाभ मिलता है। हरे रंग का धागा बुधवार के दिन पहनना शुभ मान जाता है।

सफेद रंग का कलावा : सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में सफेद रंग का कलावा पहनने से चंद्रमा और शुक्र ग्रह मजबूत होता है। जब इन दोनों ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है, तो व्यक्ति को मानसिक शांति मिलने के साथ नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

पेज-1 का शेष

शिक्षा से खुद को सशक्त बनाएं और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें : राष्ट्रपति मुर्मु...

उन्होंने इस पहल में शामिल होने का अवसर देने के लिए मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग का आभार जताया। अपने तीन दिवसीय सिक्किम दौरे पर पहुंचीं राष्ट्रपति ने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण संरक्षण की भी सराहना की। राष्ट्रपति ने राज्य को प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ बनाए रखने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। दीक्षांत समारोह में 2023, 2024 और 2025 शैक्षणिक वर्षों के स्नातक, स्नातकोत्तर, एमफिल और पीएचडी कार्यक्रमों के कुल 13,782 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण और रजत पदक पाने वाले 285 विद्यार्थियों में 199 छात्राएं थीं। इससे पहले खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति का भारत-चीन सीमा स्थित नाथू ला दौरा रद्द कर दिया गया। वहां उनका सेना के जवानों से बातचीत का कार्यक्रम निर्धारित था।

थलपति विजय ने सीएम बनने के बाद पीएम मोदी से की पहली मुलाकात...

विजय ने मेकेदातु मुद्दे को उठाया. जो कि कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी नदी के जल बंटवारे से जुड़ा विवाद है. विजय ने श्रीलंकाई नौसेना के तमिलनाडु के मछुआरों पर हमले और उनकी गिरफ्तारी पर चिंता जताई. उन्होंने बताया कि उनके राज्य के 58 मछुआरे श्रीलंका की जेल में बंद हैं. 288 नावें जब्त कर ली गई हैं. विजय ने श्रीलंका में बंद मछुआरों की रिहाई की मांग की.

मुख्यमंत्री विजय ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी किया मुलाकात...

उन्होंने विशेष रूप से बंदरगाह, हाईवे, रेलवे परियोजनाओं और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए प्राथमिकता के आधार पर फंड जारी करने की मांग की। मुख्यमंत्री विजय ने वित्त मंत्रालय कार्यालय पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की और तमिलनाडु के बुनियादी ढांचे, शिक्षा, परिवहन और उद्योग से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए केंद्र से सहयोग मांगा। बैठक के दौरान सीएम विजय ने कहा कि तमिलनाडु तेजी से विकसित होने वाला राज्य बन रहा है और इस विकास की रफ्तार को बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार का सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से बंदरगाह, हाईवे, रेलवे परियोजनाओं और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए प्राथमिकता के आधार पर फंड जारी करने की मांग की।

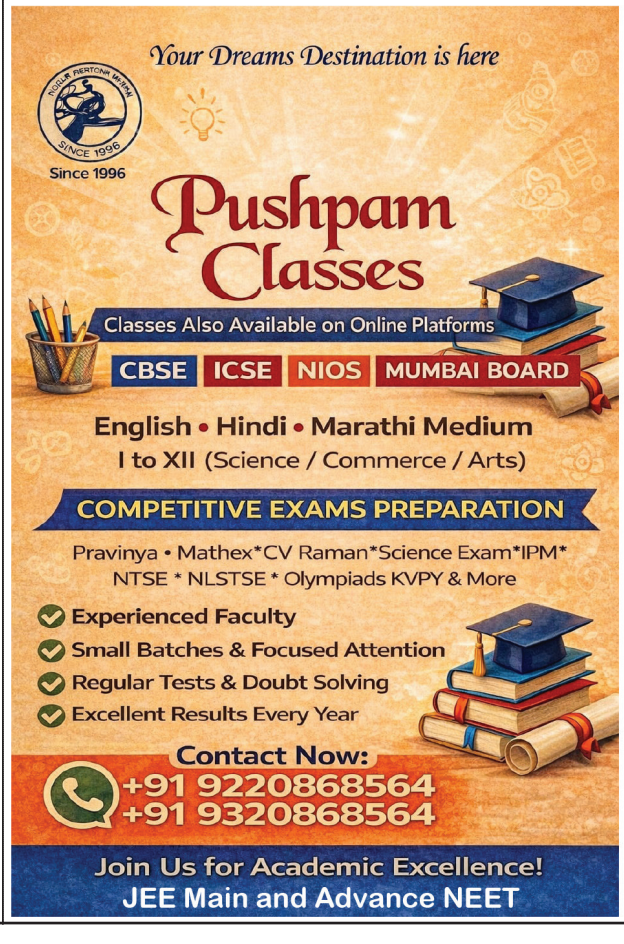

शोध-विश्लेषण-प्रकोष्ठः

चलन्मुम्बई, चलद् ज्ञानम्-वातानुकूलिता लोकल-रेलसेवा नूतना नागरीय-पाठशाला

पञ्चदशदिनेषु १.९४ कोटि-यात्रिकाः, ६५% राजस्ववृद्धिः सुविधा, समयबोधः नागरीयजीवनस्य च परिवर्तितं स्वरूपम्

■ **प्यूपिल्स टाइम्स**

मुंबई-नगरस्य वातानुकूलिता लोकल-रेलसेवा अधुना केवलं यात्रायाः साधनं नास्ति, अपितु महानगरजीवनस्य नूतनगत्याः सजीवप्रतिबिम्बमिव प्रकाशते। प्रतिदिनं रेलयानस्य प्रतीक्षां कुर्वन् यात्रिकः केवलं स्वगन्तव्यं प्रति न प्रस्थितः भवति, किन्तु तादृशं गतिशीलं लोकम् प्रविशति, यत्र यात्रा, कर्म, अध्ययनम् आत्मचिन्तनञ्च सहैव प्रवहन्ति।

सेन्ट्रल-रेलवे-संस्थया प्रकाशितानां नवीनतमाङ्कानाम् अनुसारं २०२६ तमस्य वर्षस्य मई-मासस्य १ दिनाङ्कात् १५ दिनाङ्कपर्यन्तं प्रायः १.९४ कोटि-यात्रिकाः वातानुकूलित-लोकल-रेलसेवाम् उपयोजितवन्तः। एषा संख्या गतवर्षस्य अपेक्षया ६४.९७% अधिका अस्ति। अस्मिन्नेव काले राजस्वम् अपि वर्धमानं ८१.६४ कोटि-रूप्यकाणि प्राप्तम्, अर्थात् प्रायः ६६.४३% वृद्धिः अभवत्। एते आँकडाः सूचयन्ति यत् महानगरे सुविधा अधुना विलासिता न, अपितु कार्यकुशलजीवनस्य आवश्यकता जाता।

विशेषज्ञाः मन्यन्ते यत् एषा रेलसेवा यात्रासमयं फलप्रदम् अवर्तयत्। शान्ते, शुचौ व्यवस्थिते च वातावरणे यात्रिकाः पठनं, कार्ययोजनां, डिजिटल-संवादं मनोविश्रामं वा सहजतया कर्तुं समर्थाः भवन्ति। अनेन नागरीयजीवने समय-व्यवस्थापनस्य नूतना संस्कृतिः विकसिताभवत्।

सामाजिकदृष्ट्यापि एषः परिवर्तनः महत्त्वपूर्णः अस्ति। सुलभ-मासिक-प्रवेशपत्रव्यवस्था तथा सेवाविस्तारः एतां सुविधां केवलं विशेषवर्गस्य सीमा मध्ये न स्थापयति। अधुना छात्राः, कार्यालय-कर्मचारिणः, वरिष्ठ-नागरिकाः, व्यावसायिकजनाश्च सर्वे अस्याः सेवायाः लाभं प्राप्नुवन्ति।

मुम्बई-नगरस्य एषा वातानुकूलिता रेलसेवा पुनः स्मारयति यत् शिक्षणं केवलं विद्यालयेषु विश्वविद्यालयेषु वा सीमितं नास्ति। महानगरस्य प्रत्येकयात्रा मानवम् अनुशासनं, सह-अस्तित्वं, धैर्यं परिस्थित्यानुकूलनञ्च शिक्षयति।

मुम्बई-नगरस्य गतिः केवलं रेलयानानां वेगः न, अपितु निरन्तर-शिक्षणस्य जीवनदृष्टेः प्रतीकम् अस्ति। अद्यतनकाले एषा वातानुकूलिता लोकल-रेलसेवा आधुनिकभारतस्य चलन्ती पाठशालेव परिवर्तिता अस्ति, यत्र प्रत्येकयात्रा अनुभवस्य, अवलोकनस्य आत्मविकासस्य च नवम् अवसरं ददाति।

शनैः शनैः निर्मीयते महाशक्तिः

राष्ट्राणां समृद्धिः नाकस्मिकी

■ **प्यूपिल्स टाइम्स**

अद्यतनयुगे सामाजिकमाध्यमानां प्रभावेण जनाः 'अकस्मात्-सफलता' इति कथाः विशेषरूपेण श्रद्दधति। कश्चित् जनः, उद्योगः अथवा राष्ट्रम् अल्पकाले एव अत्युन्नतिं प्राप्तम् इव दृश्यते। किन्तु इतिहासः अन्यदेव, सत्यमेव च दर्शयति-स्थायिनी प्रगतिः कदापि सहसा न भवति; सा दीर्घकालीनस्य श्रमस्य, संयमस्य, योजनायाः च फलरूपा भवति।

संयुक्त राज्य अमेरिका इत्यस्य आर्थिकवैभवम् एकेन दिने न निर्मितम्। द्विशताब्दधिककालपर्यन्तं तत्र औद्योगिकविकासः, वैज्ञानिक-अनुसन्धानम्, विश्वविद्यालयव्यवस्था, संस्थागत-स्थैर्यं च निरन्तरं वर्धितम्। चीनदेशः अपि चत्वारिंशदधिकवर्षाणि उद्योगेषु, निर्यातनीतौ, आधारभूतसंरचनायां च सततं निवेशं कृत्वा विश्वस्य प्रमुखासु अर्थशक्तिषु गण्यमानः अभवत्।

पूर्वकालीनः सोवियत संघ योजनाबद्धेन औद्योगिकीकरणेन महतीं शक्तिं निर्मितवान्। अनन्तरं रूस दीर्घकालीनस्य आर्थिकपुनर्गठनस्य माध्यमेन पुनः स्वस्थानं दृढीकृतवान्। यूनाइटेड किंगडम तथा यूरोपदेशानां समृद्धिरपि शताब्दीनां व्यापारस्य, विज्ञानस्य, बैंकिंग-व्यवस्थायाः, संस्थानां च परिणामः अस्ति। ऑस्ट्रेलिया अपि संसाधनव्यवस्थापनस्य सुशासनस्य च बलात् आर्थिकस्थैर्यं प्राप्तवान्।

भारतमपि एतस्मात् महत्त्वपूर्णां शिक्षां प्राप्नोति। स्वातन्त्र्योत्तरकाले हरितक्रान्तिः, सार्वजनिकसंस्थान निर्माणम्, आर्थिक-उदारीकरणम्, अङ्कीयविकासः च मिलित्वा आधुनिकभारतस्य आर्थिकाधारं निर्मितवन्तः। विकसितभारतस्य निर्माणम् अपि न केवलं घोषणाभिः, अपितु शिक्षया, सतत-अध्ययनेन, अनुसन्धानैः, उत्पादनशक्त्या, अनुशासनेन च भविष्यति। इतिहासः स्पष्टतया वदति राष्ट्राणां महत्ता न क्षणेन जायते; सा पीढीनां श्रमेण, धैर्येण, तपसा च शनैः शनैः निर्मीयते। यतो हि उक्तम्

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

गृध्राणां लोपः : ग्राम्य-स्वच्छतायाः जनस्वास्थ्यस्य च कृते गम्भीरः संकटः

भारतीय-ग्राम्यजीवने गृध्रः केवलं पक्षी नासीत्, अपितु प्राकृतिक-स्वच्छता-तन्त्रस्य महत्त्वपूर्णः अङ्गः आसीत्। ग्रामेषु मृत-पशूनां शवाः अल्पकालेन एव गृध्रैः भक्षिताः भवन्ति स्म, येन दुर्गन्धः, संक्रमणं तथा रोगाणां प्रसारः न्यूनः भवति स्म। तेषां पाचन-तन्त्रस्य अत्यधिकाम्लीयतया एन्थ्रेक्स-हैजादयः रोगजनकाः अपि नश्यन्ति स्म। १९८०-९० दशकयोः भारते कोटिशः गृध्राः आसन्। विशेषतः श्वेतपृष्ठ-गृध्रः (White-rumped Vulture) तथा दीर्घचञ्चु-गृध्रः (Long-billed Vulture) ग्रामेषु सामान्यतया दृश्येते स्म। किन्तु २००७ वर्षे तेषां सङ्ख्यायां ९९ प्रतिशताधिकः ह्रासः अभवत् तथा केवलं लक्षमात्राः गृध्राः अवशिष्टाः। वैज्ञानिक-अध्ययनैः ज्ञातं यत् पशु-चिकित्सायां प्रयुज्यमाना डाइक्लोफेनेक नाम्नी वेदनानाशक-औषधिः अस्य प्रमुखं कारणम् आसीत्। एतया औषध्या उपचारितानां मृत-पशूनां मांसभक्षणात् गृध्रेषु वृक्क-विफलता उत्पद्यते स्म। गृध्राणां लोपेन पर्यावरणीय-सन्तुलनम् अपि प्रभावितम्। पशु-शवानां मुक्तस्थलेषु पतनात् आवार-श्वानानां सङ्ख्या वर्धिता तथा रेबीजादि-रोगाणां जोखिमः अपि अभिवृद्धः। पारसी-समाजस्य 'मौन-स्तम्भः' (Tower of Silence) इति परम्परा अपि गृध्राभावात् संकटे पतिता।

अङ्कीय-जनगणना 2026-27

विकासस्य रूपरेखा उत जन-निगरणायाः साधनम्?

भारतवर्षं 2026-27 वर्षयोः स्वीयां षोडशीं जनगणनां सम्पन्नयितुं सज्जम् अस्ति। स्वातन्त्र्योत्तरकाले एषा प्रथमा पूर्णतः अङ्कीय-जनगणना भविष्यति, यस्याम् कागद-लेखनस्य स्थाने चलदूरवाणी-अनुप्रयोगाः तथा टैबलेट-यन्त्राणि प्रयुज्यन्ते। तदनन्तरं 1931 वर्षात् प्रथमवारं जाति-सम्बद्ध-विस्तृत-आँकडानां संकलनम् अपि प्रस्तावितम् अस्ति। जनगणना द्वयोः चरणयोः भविष्यति। प्रथम-चरणे गृहाणां संरचना, जलम्, विद्युत्, शौचालयः, इन्धनम् तथा अन्तर्जाल-सुविधादीनां विवरणं संगृह्यते। द्वितीय-चरणे नागरिकेभ्यः आयुः, शिक्षा, व्यवसायः, प्रवासः, धर्मः, सामाजिक-श्रेणी (SC/ST) तथा आर्थिक-स्थितिः इत्यादीनां विषये सूचना स्वीकरिष्यते। चलदूरवाणी-संख्या दातुं ऐच्छिकम् अस्ति। सरकारस्य मते एते आँकडाः

योजनानां लक्षित-क्रियान्वयने, परिसीमन-2028, आरक्षण-नीतौ, आपदा-प्रबन्धने तथा अङ्कीय-अवसंरचनायाः विकासे महत्त्वपूर्णां भूमिकां निर्वहिष्यन्ति। ढट-आवास-योजना, जल-जीवन-मिशन तथा डिजिटल-भारत-अभियानस्य आधारभूत-सूचनारूपेण एषा जनगणना कार्यं करिष्यति। किन्तु अङ्कीय-जनगणनया सह गोपनीयता तथा निगराणी-सम्बद्धाः प्रश्नाः अपि सम्बद्धाः सन्ति। ठढफ आधार-सूचना तथा चलदूरवाणी-आँकडानां संयोजनेन नागरिक-प्रोफाइल-निर्माणस्य, राजनैतिक-लक्ष्यीकरणस्य अथवा आँकडा-लीकस्य आशङ्काः व्यक्ताः सन्ति। अमेरिका (1940) तथा जर्मनी (1933) इत्यत्र जनगणना-आँकडानां विवादास्पद-प्रयोगस्य उदाहरणानि अपि दृश्यन्ते। यद्यपि जनगणना-अधिनियमः 1948 व्यक्तिगत-सूचनानां गोपनीयतां संरक्षति, तथापि अङ्कीय-युगे साइबर-सुरक्षा तथा विधायी-दुरुपयोगस्य जोखिमः पूर्णतया निरस्तः इति वक्तुं न शक्यते। अतः अङ्कीय-जनगणना केवलं सांख्यिकीय-प्रक्रिया नास्ति, अपितु लोकतन्त्रस्य, नीति-निर्माणस्य तथा नागरिक-स्वातन्त्र्यस्य अपि महत्त्वपूर्णः विषयः अस्ति। विकासोन्मुख-शासनस्य नागरिक-गोपनीयतायाश्च मध्ये संतुलन-रक्षणमेव डिजिटल-भारतस्य वास्तविकः लोकतान्त्रिकः परीक्षणः भविष्यति।

'मध्यस्तरस्य पुनर्जन्मः' नाट्यविशेषाङ्काय

कृत्रिमबुद्धियुगे मानवनेतृत्वस्य नाटकम्

नान्दी-न केवलं गणनया जगति प्रवृत्तिः, न केवलं यन्त्रगिरा विनियोजितार्थः। यत्रास्ति विश्वासधिया सह मानवेन्द्रः, तत्रैव संस्थितिरियं भवति स्थिरैव॥

पात्रपरिचयः

१. **विवेकरावः**-संस्थायाः मुख्यकार्यनिर्वाहकः। दक्षतावादी। २. **अर्जुनमेहरः**-मध्यस्तरीय-प्रबन्धकः। अनुभवी चिन्ताग्रस्तश्च। ३. **रियासेना**-कृत्रिमबुद्धि-रणनीतिविशेषज्ञा। यन्त्रनिष्ठा। ४. **आदित्यसिंहः**-सेवानिवृत्तः कर्णलः, नेतृत्वपरामर्शदाता। ५. **रोहनः**—युवा-विश्लेषकः, नवप्रविध्युत्साही। ६. Astra-कृत्रिमबुद्धियन्त्रस्वरः, मञ्चे ध्वनिरूपेण।

प्रस्तावना

(अन्धकारः। पटलं ज्वलति।)

Astra: 'मानव-प्रबन्धन-स्तरस्य ४१% भागः स्वचालितः कर्तुं शक्यते। सिफारिशः—मध्यस्तरस्य न्यूनता, निर्णयवेगस्य वृद्धिः।' (प्रकाशः। सभागारः।)

प्रथमाङ्कः 'किं मानवाः अद्यापि आवश्यकाः?'

विवेकरावः: मित्राणि, कालः परिवर्तते। यः शीघ्रं न परिवर्तते स इतिहासे विस्मृतः। **रियासेनाः** अद्य कृत्रिमबुद्धिः व्यवहारान् ज्ञातुं शक्नोति, संकटानि अनुमानयति, निर्णयान् ददाति। रोहनः: मानवात् शीघ्रतरं न्यूनदोषं च। **अर्जुनमेहरः**: तर्हि मानवस्य स्थानं कुत्र? यदि यन्त्रं चिन्तयति, निर्णेति, मार्गं ददाति... तर्हि वयं किमर्थम्? मूल्यवन्तः उत व्ययमात्रम्? (मौनम्) **Astra**: 'भावनात्मक-तनावः अनुभूयते।' **रियासेनाः** पश्यतु! यन्त्रं मानसिकस्थितिमपि ज्ञातुं शक्नोति। **अर्जुनः**: मानसिकतापमानस्य मापनं सरलम्। मानवपीडायाः अनुभूतिर्न तु।

द्वितीयाङ्कः 'मध्यस्तरस्य अभियोगः'

रियासेनाः त्रयः प्रबन्धस्तराः निष्कासनीयाः। निर्णयः शीघ्रः, व्ययः न्यूनः। **अर्जुनः**: विश्वासः? **रियासेनाः** विश्वासः दत्तांशेषु न मीयते। **अर्जुनः**: अतः एव सः सर्वाधिकमूल्यवान्। **विवेकरावः**: मध्यस्तरः अप्रासंगिकः दृश्यते। **अर्जुनः**: न महोदय। अप्रासंगिका अस्माकम् अवधारणा। भवन्तः तं केवलं रिपोर्ट्-प्रेषकं कृतवन्तः। तस्य कार्यम् आसीत्-ऊर्ध्वरणनीतिम् अधःसंघर्षे अनुवादयितुम्। **रियासेनाः** अकसमन्वयं करोति। **अर्जुनः**: समन्वयः आम्। किन्तु किं सा ज्ञातुं शक्नोति-कः मौनेन भग्नः? कः त्यागपत्रं लिखित्वा अपसारयति?

तृतीयाङ्कः 'नेतृत्वस्य स्वरूपम्'

(भित्तौ-"Leadership is Human Infrastructure") **आदित्यसिंहः**: युद्धे द्वौ सेनानायकौ दृष्टौ। प्रथमः मानचित्रं पठति। द्वितीयः-यस्य कृते सैनिकाः प्राणान् त्यजन्ति। कृत्रिमबुद्धिः प्रथमं उत्पादयति, द्वितीयं न। **रियासेनाः** आधुनिक-प्रणाल्यः adaptive सन्ति। **आदित्यसिंहः**: अनुकूलनम् अन्यत्, उत्तरदायित्वम् अन्यत्। यन्त्रस्य दोषः 'त्रुटिः'। मानवस्य दोषः अन्तःकरणं दहति। तदेव परिपक्वं करोति। मध्यस्तरस्य पुनर्जन्मः तदा यदा सः नियन्त्रणकर्ता न, 'सन्दर्भनिमार्ता' भविष्यति। **रोहनः**: सन्दर्भनिमार्ता? **आदित्यसिंहः**: आम्। यः 'किम्' न, 'किमर्थम्' बोधयति।

चतुर्थाङ्कः 'WAIT FOR HUMAN INTERVENTION' (रक्तप्रकाशः। आपत्सूचकः।) **Astra:** 'Critical system failure detected. WAIT FOR HUMAN INTERVENTION.' **रोहनः**: महोदय! वित्तीय-व्यवहारः अवरुद्धः! **रियासेनाः** असम्भवम्! Astra विफला? **Astra**: 'Unknown anomaly.' (सर्वे अर्जुनं पश्यन्ति) विवेकरावः: अधुना किम्? **अर्जुनः**: अधुना यन्त्राणि पृष्ठतः। मानवाः अग्रे। रोहन! बैकअप्-समूहं सम्पर्कय। रिया! अकं पृथक कुरु। विवेकमहोदय! अधुना नेतृत्वम् अपेक्षितम्, प्रस्तुतीकरणं न। (क्रियाशीलाः)

रियासेनाः त्वं किमर्थं न कम्पसे? **अर्जुनः**: यतः यन्त्राणि प्रथमवारं विफलानि। अहं बहुवारं पतित्वा उत्थितः।

पञ्चमाङ्कः 'पुनर्जन्मः'

(एकसप्ताहानन्तरम्। पटलं-'Reimagining the Middle') **विवेकरावः**: निर्णयः—मानवानां न्यूनता न, भूमिकानां पुनर्परिभाषा। रियासेनाः अकं प्रक्रियां चालयिष्यति, उद्देश्यं मानवाः दास्यन्ति।

Dr. Vandana Mishra
M. A. NET (JRF) PHD

रोहनः: तर्हि भविष्यं 'अकविरुद्धं मानवः' न? **अर्जुनः**: न। भविष्यं तेषाम् ये यन्त्रं साधनरूपेण, मानवं केन्द्ररूपेण स्थापयन्ति।

उपसंहारः

अर्जुनः: यन्त्राणि निर्णयान् शीघ्रं कुर्वन्ति, विश्वासं मानवाः निर्मान्ति। संस्थाः दत्तांशैः सञ्चलन्ति, विश्वासेन तिष्ठन्ति। अतः भविष्यस्य नेता सः-यः कृत्रिमबुद्धियुगेऽपि मानवतां रक्षितुं शक्नोति। (पटले) 'बुद्धिमत्सु यन्त्रेषु जातेषु, मानवता एव श्रेष्ठं नेतृत्वम्।' 'शनैः शनैः निर्मीयते महाशक्तिः।' पटलम् पतति।

Will there be a brake on China's arbitrariness in the sea?

Quad countries gave a strong message in Delhi

New Delhi: External Affairs Minister S. Jaishankar on said the Quad Foreign Ministers' Meeting in New Delhi was "productive" and announced several major initiatives aimed at strengthening cooperation in the Indo-Pacific region. Addressing the media alongside US Secretary of State Marco Rubio, Australian Foreign Minister Penny Wong and Japanese Foreign Minister Toshimitsu Motegi after the Quad Foreign Ministers' Meeting, Jaishankar outlined key outcomes of the discussions. In a post on X after the meeting, EAM Jaishankar said the Quad nations had agreed on an Indo-Pacific Maritime Surveillance Initiative and the creation of a Common Operating Picture in the maritime domain to strengthen regional maritime cooperation and security. He said the grouping would also consider establishing an expert panel on port infrastructure, collaborate on a pilot port project in Fiji and work together on undersea cable connectivity initiatives. The External Affairs Minister further announced that the Quad countries had

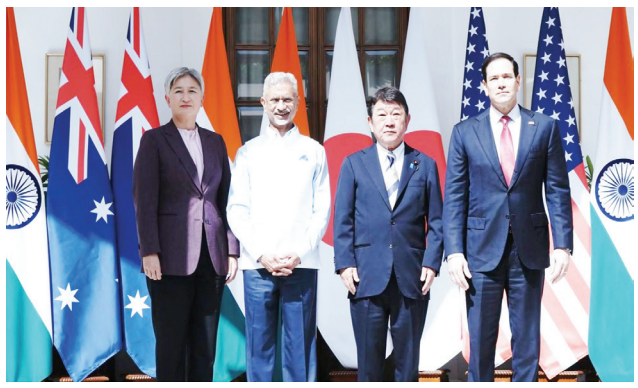

finalised the Quad Critical Minerals Framework aimed at strengthening cooperation in critical mineral supply chains. He also revealed that India and the United States had signed a separate bilateral Critical Minerals Framework agreement. "QUAD is working with other like-minded countries in this sector," EAM Jaishankar said, highlighting the growing strategic importance of critical minerals in global supply chains and emerging technologies. Another major outcome of the meeting was the launch of the Quad Indo-Pacific Energy Security Initiative, which will focus on cooperation in technology, energy management, policy coordination, international market analysis and emergency response exercises. Earlier, Ministry of External Affairs (MEA) spokesperson Randhir Jaiswal said the meeting provided an opportunity for the Quad foreign ministers to review progress on ongoing initiatives, advance cooperation across priority areas and exchange views on developments in the Indo-Pacific and other issues of mutual interest. India hosted the Quad Foreign Ministers' Meeting in New Delhi on Tuesday under the chairmanship of EAM Jaishankar amid growing geopolitical focus on the Indo-Pacific region and rising regional security challenges.

Govt Monitoring Fuel Supply-Distribution

Will Initiate Action Against Hoarders : CM Fadnavis

Mumbai: Maharashtra Chief Minister Devendra Fadnavis on stated that there has been a significant increase in regional retail fuel consumption compared to typical seasonal patterns, highlighting that the state's Food and Civil Supplies and Home Departments are jointly overseeing the supply and distribution pipelines. The state has expanded petrol distribution by 23 per cent and diesel by 52 per cent to stabilise market demand, he said. The CM stated that there seems to be hoarding of fuel, which is being monitored. He further added that there is also a possibility of diversion of fuel for commercial use, which is also being looked into. Addressing the media after the weekly cabinet and accompanied by Deputy CM Eknath Shinde, CM Fadnavis said that specific regions are recording distinct surges, with Akola showing an increase of 154 per cent, and several districts, including Chhatrapati Sambhajinagar, Beed, Bhandara, Buldhana, Gondia, and Hingoli, reporting up to a 70 per cent climb in regular market consumption."The administration is analysing variations between commercial and retail fuel supply segments to verify that retail resources are effectively reaching agricultural and consumer lines," he said.The CM's statement comes a day after the Maharashtra government and PSU Oil Marketing Companies (BPCL, IOCL, and HPCL), through the State Level Coordinator (Oil Industry), Maharashtra, Mihir Ganesh Joshi, on Monday, assured consumers that adequate petrol, diesel and LPG stocks are available across the state. Supply operations are being closely monitored and maintained without disruption, they said. The PSU Oil Marketing Companies have assured that there are adequate stocks of petrol and diesel available at all petrol pumps as well as storage locations of Oil Companies across Maharashtra. Stocks at petrol pumps are being regularly monitored by the state government as well as Oil Companies and replenished to ensure uninterrupted availability.

Center approves approval for four-lane Tiruvarur bypass project in Tamil Nadu

Rs 1,427 crore approved

New Delhi: Union Road Transport and Highways Minister Nitin Gadkari on Tuesday approved ₹1,427.61 crore for the construction of a four-lane Thiruvarur bypass on the Nagapattinam–Thanjavur section of NH-83 in Tamil Nadu.
The 14.9-km project also includes the construction of two additional Road Over Bridges (ROBs) on NH-129A and NH-134A. Announcing the approval in a post on X, Gadkari said the project would strengthen connectivity between key industrial centres such as Tiruchirappalli and Coimbatore and the port towns of Karaikal and Nagapattinam, boosting regional economic activity. The bypass alignment, beginning from the Adiyakkamangalam–Thandalai stretch, will pass through several areas including Athipuliyur, Andipalayam, Kidaramkondan, Pallivaramangalam, Perumpugalur, Elavangarkudi and Anaivadapathy Colony. The Minister said the project would significantly decongest Thiruvarur town by diverting traffic away from densely populated and commercial areas, while reducing travel time by nearly 15 minutes and improving road safety. The new alignment is also expected to improve connectivity to State Highways 23 and 65, besides enhancing access to the revered Thyagaraja Swamy Temple, contributing to infrastructure development and easier travel in the region.

Big focus of Yogi government

Health services will be connected with modern technology

Lucknow: Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath clearly said in the review meeting of health and medical education departments that the real benefits of improvement in health services should reach the general public directly. He said that mere infrastructure expansion is not enough, but it has to be accompanied by quality of services, modern technology and better management.The Chief Minister directed that the quality of treatment, investigation, medicines and emergency services in government hospitals should be continuously improved, so that patients can get timely and effective treatment. He also said that accountability should be ensured at every level. CM Yogi said that the objective of medical education is not only to increase the number of institutions, but also to provide trained doctors, specialists and quality health workers to the state. He directed to provide modern equipment, expert faculty and increase research activities in medical colleges and training institutes.

Supreme Court's instructions

Uttar Pradesh government should prepare development plan near Banke Bihari temple

New Delhi: The Supreme Court has directed the Uttar Pradesh government to prepare a comprehensive development plan around the Thakur Shri Banke Bihari Ji Maharaj Temple in Vrindavan. The court said that in this scheme, along with widening of roads, special facilities for the elderly, women, children and sick devotees should be taken care of. A bench of Chief Justice Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi passed this interim order to strike a balance between traditions and modern needs. The court directed that commercial activities around the temple should be controlled. Also, there should be better arrangements for hotels, dharamshalas, drinking water, toilets, emergency exits and public transport. It has also been

asked to ensure access to electric vehicles for the elderly and sick people. Expressing concern over the narrow streets of Vrindavan, the court said that unlike Tirupati, there is not much space here, hence the administration will have to think out of the box for security. During the hearing, it was argued on behalf of the priests (sevayats) that the deity of the temple was like a 'living child'. A fixed time for their waking up, worship and taking rest in the afternoon has been in practice for centuries. It should not be changed for administrative convenience. The priests also objected to the change in darshan timings, stopping the traditional 'Dehri Puja' and charging a hefty fee of Rs 1.51 lakh for 'Phool Bangla Seva'. Noting the lack of dialogue between the administration and the Goswami community, the Supreme Court ordered the inclusion of four priest representatives in the High-Powered Committee (HPC). These include Rajat Goswami, Shailendra Goswami, Gopesh Goswami and Himanshu Goswami. These representatives will give suggestions to the committee regarding religious traditions and temple timings.

PUPILS TIMES

Friday, 29 May to 4 June 2026

Centre's big action plan on illegal infiltration

Government formed high level committee | **Shah's mega campaign started**

New Delhi: After the decisive fight against Naxalism, the next big focus of the Central Government is to make the border security completely impenetrable against illegal infiltration. Under this strategy, Union Home Minister Amit Shah announced on Tuesday that the Central Government has constituted a high-level committee to investigate the demographic changes taking place in the country due to 'illegal migration and other unnatural reasons'. In a post on X, Shah said, "Unnatural demographic change caused by infiltration and other reasons is a huge challenge for the present and future of any country." Shah said that this committee has been formed after the announcement made by Prime Minister Narendra Modi on August 15, 2025. In which he talked about forming "a high-level committee on demographic change". According to Shah, this panel will be headed by retired judge Justice Prakash Prabhakar Navalekar and will include Census Commissioner, former IAS officer Durga Shankar Mishra, former IPS officer Balaji Srivastava and economist Dr. Shamika Ravi as members.

Shah called demographic change a serious issue

Amit Shah said in his post, "Demographic change is a serious problem related to our sovereignty as well as national security, law and order, serious changes in social structure and protection of tribal society. This committee will comprehensively assess the demographic changes taking place across India due to illegal migration and other abnormal reasons and will analyze the pattern of abnormal population changes at the level of religious and social communities and present a planned and time-bound solution to it."

BJP's big changes in Four states

Delhi's command given to Harsh Malhotra, first woman president in Haryana

New Delhi: BJP President Nitin Nabin on Thursday made a major change in the organization and announced the name of new president in 4 states. Union Minister Harsh Malhotra has been given the command of Delhi BJP. For the first time in Haryana, BJP has made a BJP leader the president. Archana Gupta has been handed over the command of the party in Haryana. She will replace Mohan Lal Baroli. Archana is the first woman to become Haryana BJP President. This decision is being considered as part of BJP's new strategy in Haryana. Kewal Singh Dhillon, a two-time MLA from Barnala, has been made the Punjab BJP President. He will replace Sunil Jakhar. Dhillon, considered close to Captain Amarinder Singh, will focus on the 2027 elections. Nitin Nabin has appointed Abhishek Devrai as the new president of BJP in Tripura. He has been working in the organization for a long time and has played an important role in various campaigns of the party.

Organ Transplantation : When Science Learned to Restart a Heart

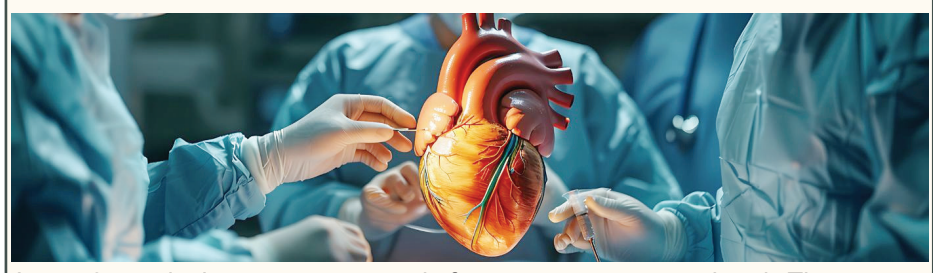

It was 2 a.m. in the emergency ward of All India Institute of Medical Sciences. Machines were beeping. Doctors were whispering. Outside the ICU, a mother sat frozen in prayer. Inside, 17-year-old Riya was losing her battle. Her heart was functioning at barely 8%. Every passing minute was pushing her closer to death.

Nearly 400 kilometers away, in Jaipur, another family was facing a different tragedy. Twenty-two-year-old Arjun had met with a fatal road accident. Doctors declared him brain-dead. The monitors still showed a heartbeat, but medically, he would never wake again. Then came the hardest decision of a father's life. With trembling hands, Arjun's father signed a consent form for organ donation.

Before sunrise, Delhi Police created a green corridor. Sirens cut through the sleeping city as a special medical vehicle raced against time carrying Arjun's heart inside a temperature-controlled box.

In the operation theatre, twelve surgeons stood ready. Robotic arms, 3D imaging systems, AI-guided surgical planning modern science was prepared for one impossible task: giving a dying girl another heartbeat. Dr. Mehra made the first incision. Riya's failing heart was removed. Arjun's heart was placed carefully inside her chest. The final sutures were completed. Then came silence. The monitor remained flat for a moment that felt endless. And then…

Dr. Arvind singh Rana
MBBS, DNB (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon Coloproctologist
FACRSI, FAMS FIAGES

Lub-dub. One heartbeat. Then another. Green waves suddenly returned across the screen. The surgical team exhaled together. Some smiled quietly. Some wiped tears behind their masks.

This is not fiction. This is organ transplantation. Today, kidneys, livers, lungs, hearts, and corneas can all be transplanted through advanced medical science. Hospitals across India, including PGIMER Chandigarh and leading transplant centers, perform these life-saving surgeries regularly.

Yet the greatest challenge begins after surgery. The body's immune system often attacks the new organ as a foreign object a condition known as organ rejection. Patients therefore require lifelong immunosuppressive medicines. Modern technologies such as robotic surgery, artificial intelligence, and 3D imaging have made transplantation safer than ever before. Researchers are now exploring stem-cell science and 3D bioprinting to someday create artificial organs in laboratories. Still, thousands continue to wait for donors. Today, Riya goes to college again. And Arjun's father says softly, "My son did not die that day. He simply started living in someone else."

India approves stealth fighter programme amid tensions with Pakistan

New Delhi: India's defence minister has approved a framework for building the country's most advanced stealth fighter jet, the defence ministry said on Tuesday, amid a new arms race with Pakistan weeks after a military conflict between the neighbours. Indian state-run Aeronautical Development Agency, which is executing the programme, will shortly invite initial interest from defence firms for developing a prototype of the warplane, envisaged as a twin-engine 5th generation fighter, the ministry said. The project is crucial for the Indian Air Force, whose squadrons of mainly Russian and ex-Soviet aircraft have fallen to 31 from an approved strength of 42 at a time when rival China is expanding its air force rapidly. Pakistan has one of China's most advanced warplanes, the J-10, in its arsenal.

On behalf of Pupils Times Family

Dear Mr. Aman alias Abhilash and Mrs. Shreya Chaubey, Heartiest congratulations on your wedding anniversary.

We pray that your married life be forever filled with love, trust, and joy. May your bond remain strong and may you continue to support each other through every phase of life.

Wishing you a very Happy Wedding Anniversary

LIC

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

"With you in life, and after life"

POPULAR LIC PLANS:

- **Jeevan Labh —** Limited Premium, High Returns
- **New Children's Money Back —** Secure Your Child's Future
- **Jeevan Umang —** Whole Life Cover + Pension Benefits
- **Bima Jyoti —** Guaranteed Additions, Safe Growth
- **Also Available – Complete Financial Planning Guidance**

KEY BENEFITS:

- Life Insurance + Savings Plan
- Child Education and Marriage Planning
- Retirement Planning
- Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम

"जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के वाद भी"

FREE POLICY CONSULTATION

LIC Agent

Archana Shukla

+91 91129 39085

+91 74998 67628

Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503

LIC Agent ID: 04497939

PUPILS TIMES

Core Committee

Anurag Shukla
Chief Editor

Shivprakash Pandey
Chief Publisher

Vikas Maurya
Co Publisher

Address: Shop No. 3, Khatri NX Aprt., Valivali, Badlapur (West) - 421503
Contact: 9004331751
Web: pupilstimes.com

(The editor does not necessarily agree with the news, articles, and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai courts.)

Printed, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **SOMANI PRINTING PRESS Printing Press,** UNIT NO.04, GROUND FLOOR, N. K. INDUSTRIAL ESTATE, OFF. AAREY ROAD, GOREGAON (E) , MUMBAI, MAHARASHTRA - 400064. **Published at:** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA)

Editor - **ANIL MISRA** Mob: **92208 68564** **Email:** anilmisrapc@gmail.com **PRGI. No.: MHMUL/25/A2419**